



Makind

पं. राजेश कुमार शर्मा
अध्यापक, गणित
राजि अग्रवाल
बिशन कुमार अग्रवाल
बिशन कुमार अग्रवाल 31/11/19
बिशन कुमार अग्रवाल 31/11/19

सिंह-बुधावाहा। पं. राजेश. १६४ नम्बर (१९८६) में
राजेश-बुधावाहा
इसका माल गणित. ०८ लो. गणित -
II उपरोक्त जिला, थाना एवं मौजा के अन्दर
पुरुलिया राजेश. अग्रवाल का राजेश. अग्रवाल
त्रिभा हुआ १६-२-३२ तारीख का ४१६ नम्बर
नेपाला द्वारा राम पास को पण पास पिला
दुर्गा दास पास से १ से ३ नं. विज्ञान के
पिला एवं ४ से ६ नं. विज्ञान के पिला सह
रव. हनुमान दास मारवाडी के नाम पर
स्पर्धा हुआ, तथा ३-६-३८ तारीख का
४६३२ नम्बर नेपाला द्वारा सर्वेश्वर पास
पंचांगाल पास पिला रव. बही पास से
१ से ३ नम्बर विज्ञान के पिला नाम स्पर्धा
हुआ तथा ४ से ६ नं. विज्ञान के भी
पिला के नाम पर ही स्पर्धा हुआ.

१/११/१९९१ ५६१५



मूल मूल

श्री गणेश देव अग्रवाल
श्री गणेश देव अग्रवाल
श्री गणेश देव अग्रवाल
श्री गणेश देव अग्रवाल
श्री गणेश देव अग्रवाल
श्री गणेश देव अग्रवाल

निम्न लिखित स्थली जमाके जो आपसी
कटकार ने द्वारा सहसति प्राप्त जमाके
जिसका आपाद मासिक २/३ नम्बर खण्ड
मुक्त है जिसका खण्ड नं- १०५ एक
(सी मांथ) लॉट- नम्बर १६८ (एक सी
उलह्वर) में उपरोक्त दस्तावेज- नम्बर
४१६ के द्वारा खरीदा हुआ खसा नं १८ सी
नया दस्तावेज- नम्बर ५६३२ के द्वारा खरीदा
हुआ खसा २२ वाइस सी बस खसा ५१
पुनर्लाभिय डीसीके जमाके में से निम्न
लिखित पीहके महापत्र खसा- ०१ एक
डीसीके- जमाके विधि रिगाए पीहके-
उत्तर- १६८ नम्बर लॉट- में निज- से खसा
दस्तावेज- १६२ नम्बर लॉट- केलागा न
निज- / पूरव- १६८ नम्बर लॉट- में निमाठ
केला न निज- से खसा / निज-
१६८ नम्बर लॉट- में खरीदे- खसा /

श्री गणेश देव अग्रवाल



Mohini - A

Dr. Pawan Kumar Agarwal

Dr. Raji Agarwal

Pawan Kumar Agarwal

Dr. Pawan Kumar Agarwal

Pawan Kumar Agarwal

Pawan Kumar Agarwal

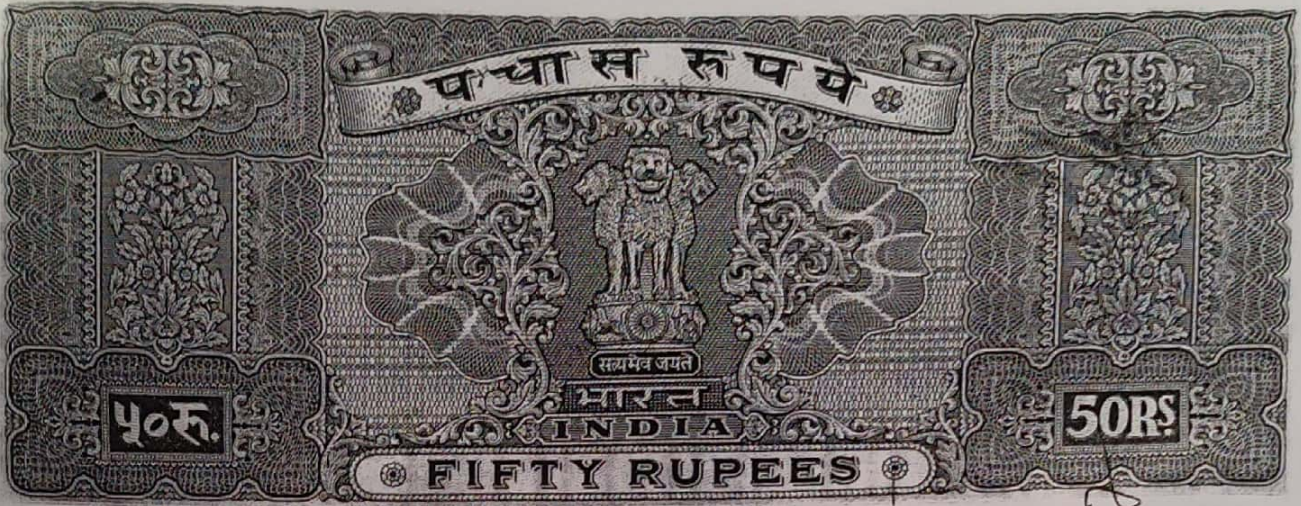
21/11/19

उपरोक्त १६८ नं- (१०८) - से ११ जमीन (१०८) -
नम्बर १६५ के उत्तर-पश्चिम के कोन से उत्तर
तरफ है - इसका मापगुजारी ०३ बीघे है।

कुल २ प्लॉटों में से कुल रकम ०४ पार
जमीन - जमीन विहीन - दिया।
उक्त जमीन कृषि योग्य है तथा वाई नं-
५ में अर्जेंटिफाई है।

शुद्धि-विहीन बेबाका दस्तावेज -
विद्यमान है कि - उपरोक्त जमीन जो हमारा भिन्न उद्योग
को दृष्टांत रही है, उसका स्वत्व हमारा - मूल्य - १५,०००/-
दस हजार रुपये में बेचने करण स्विकार कर, मूल्य
का कुल रूप में नगद पाने, उपरोक्त जमीन जो
हमारा आधारी बजाय से सहमति प्राप्त है, उसे
बेचें, तथा इसका सम्पूर्ण एक दृष्टांत आधारे
हस्ताक्षरित कर दिया। आप आज - से उपरोक्त
जमीन का मापगुजारी १२ बीघे से किया - से
प्राप्त आध विहीन स्वकार को देकर हमारा
नाम स्विकार - जो आपका अपना नाम से
कलियान, स्विकार - करण कर, वान विहीन आदि

२१ नवंबर १९५५



Made on 11/11/17

Dr. J. K. Singh
Secretary, K. S. S. Hospital
Durg, Jharkhand

Pawan Kumar Agrawal

Dr. Pankaj Agrawal
31/11/17

Purushottam Agrawal
31/11/17

सुभी क्षेत्रात चा माबिन्न रहते सुग. उपरान्तु जमाने
को अपनी दृष्टाणुकार पंधा परम्परा में सुरण
से भोग. दृष्टाणुकार रहते रहेणे। इधमे हमारा भा
हमारे उत्तराधिकारियों का कुछ भी एक अधि-
कार शेष नहीं रहा। तथा भविष्य में किसी
प्रकार की नयी प्रमाणित हो ली हमारा हमारे
उत्तराधिकारियों आप लोगों का सम्पूर्ण शरीर के
देखभार होंगे।

उत्त. हम अपनी शरीर को सनकी
स्वस्थता में सुलभ का सुण रूपमें नगद
दात्रर यह- सेवाला दृष्टाणुकार- लिख दिमा
कि- समग्र पर काम आपों हली, दिनांक 6.10.26

दोनों पक्षों को यह- दृष्टाणुकार-
पक्षर सुनाया।
लेखक- श्याम शिखर प्रसाद
मो. 98282

उपस्थित
इश्वर प्रसाद
24/11/17
7/11/17
कहली पुरज महला
मो. 98282
6.10.26

214 न लेव 25/11/17 ✓